हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 51 : जौनपुर, गुरुवार 16 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

भूपेश बघेल पर अमित शाह का हमला, बोले, इनके शासन में बेमेतरा जिला लव जिहाद का केंद्र बन गया

एजेन्सी

साजा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला करते हुए कहा कि उनके शासन में छत्तीसगढ़ का बेमेतरा जिला 'लव जिहादश का केंद्र बन गया है। शाह ने वादा किया कि अगर राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई तो कोई भी ऐसी हरकत करने की हिम्मत नहीं करेगा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के साजा विधानसभा क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने बघेल पर दुर्ग संभाग को शिक्षा केंद्र से सट्टेबाजी के केंद्र में बदलने का भी आरोप लगाया। भाजपा ने साजा सीट से ईश्वर साहू को मैदान में उतारा है। ईश्वर साहू के बेटे भुनेश्वर साहू की इस साल अप्रैल माह में जिले के बिरनपुर गांव में सांप्रदायिक झड़प के दौरान हत्या हो गई थी।

शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ईश्वर साहू न सिर्फ उम्मीदवार हैं बल्कि वह न्याय की लड़ाई के प्रतीक हैं। भूपेश कक्का के शासन में सांप्रदायिक तत्वों ने साहू के बेटे भुनेश्वर साहू की पीट–पीटकर हत्या कर दी। भूपेश कक्का के लोगों ने ईश्वर जी को चेक और नौकरी की पेशकश करते हुए कहा कि वे न्याय न मांगें। लेकिन मैं ईश्वर जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने उसे अस्वीकार कर दिया और न्याय मांगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, भुनेश्वर साहू के लिये न्याय सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। किसी को भी कानून का उल्लंघन करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। भुनेश्वर साहू के हर हत्यारे को जेल भेजा जाएगा...भूपेश कक्का के सत्ता से बाहर होने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। शाह ने मतदाताओं से भाजपा को सत्ता में लाने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके वोट न केवल राज्य में भाजपा की सरकार बनाएंगे बल्कि भुनेश्वर साहू को न्याय भी दिलाएंगे तथा तुष्टिकरण की राजनीति को सबक सिखाएंगे। कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए शाह ने कहा, भूपेश बघेल शासन में बेमेतरा लव जिहाद का केंद्र बन गया। साहू, कुर्मी और गोंड समुदाय इसके (लव जिहाद के) निशाने पर थे और भूपेश बघेल सरकार सोयी रही। उन्हें कौन जगाएगा? आप जगाएंगे, आपके वोट जगाएंगे। मैं वादा करता हूं कि आप भाजपा को सत्ता में लाएं, कोई भी ऐसा कृत्य करने की हिम्मत नहीं करेगा। राज्य में कथित महादेव सट्टेबाजी ऐप घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री बघेल पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, श्भूपेश कक्का ने दुर्ग संभाग को बर्बाद कर दिया। रमन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दौरान दुर्ग संभाग शिक्षा का केंद्र बन गया था। भूपेश बघेल ने इसे सट्टा (सट्टेबाजी) का केंद्र बना दिया। उन्होंने कहा, बघेल जी को ऐप का नाम अपने ही नाम पर रखना था। उन्होंने महादेव नाम का प्रयोग क्यों किया? मोदी जी ने चंद्रमा पर चंद्रयान भेजा और भगवान शिव और मां शक्ति के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उस स्थान (जहां चंद्रयान उतरा) का नाम 'शिव शक्तिश रखा। लेकिन भूपेश कक्का ने एक सट्टेबाजी ऐप का नाम महादेव के नाम पर रखा और उनका अपमान किया। शाह ने कहा, अगर गलती से भी भूपेश बघेल दोबारा सत्ता में आ गए तो आप महादेव का नाम नहीं ले पाएंगे क्योंकि बघेल को डर है कि पुलिस आ जाएगी। उन्होंने युवाओं को सट्टेबाजी के कारोबार में धकेलने का पाप किया है। भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए शाह ने बघेल पर छत्तीसगढ़ को कांग्रेस का 'एटीएम बनाने का आरोप लगाया।

मध्य प्रदेश की सियासत में केंद्रीय मंत्री के बेटे के वीडियो ने बढाई हलचल

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव के बीच वायरल हुए तीन वीडियो ने राज्य की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस जहां हमलावर है और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का इस्तीफा मांग रही है, वहीं भाजपा तोमर के बचाव में खड़ी है। राज्य में बीते लगभग एक सप्ताह के दौरान सोशल मीडिया पर तीन वीडियो वायरल हुए। इन वीडियो को कांग्रेस की ओर से मुद्दा बनाया गया और उसे साझा भी किया गया है। यह वीडियो केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह से जुड़े हुए हैं। दो ऐसे वीडियो वायरल हुए हैं जिनमें कथित तौर पर देवेंद्र प्रताप सिंह किसी अन्य व्यक्ति से करोड़ों के लेनदेन की बात कर रहे हैं। तीसरा वीडियो उसी जगमगदीप का आया है जो देवेंद्र प्रताप से बातचीत कर रहा है।

जगमगदीप के बयान के आधार पर कांग्रेस की ओर से आरोप लगाया गया है कि 100–200 करोड़ का यह मामला नहीं है बल्कि 10,000 करोड़ तक का है।

लगातार सामने आ रहे इन वीडियो ने चुनाव में एक नए मुद्दे को जन्म दे दिया है। कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी से लेकर प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ तक भाजपा पर इन वीडियो को लेकर हमलावर हैं।

कांग्रेस की ओर से सवाल उठाए गए हैं कि आखिर क्या वजह है जो वीडियो सामने आने के बावजूद एडी, आईटी और सीबीआई शांत बैठे हैं। नरेंद्र सिंह तोमर ने इसे साजिश करार दिया है और कहा है कि इस मामले की मेरे पुत्र ने शिकायत की है और जांच के लिए आवेदन भी दिया है। भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख आशीष अग्रवाल ने जगमग दीप के वीडियो के स्क्रीन शार्ट के साथ कहा है, देखिए षड्यंत्र की पोल अब खुलनी शुरू हो गई, यह शख्स अपने मोबाइल में जो दिखा रहा है वह उसी में फंस गया, वह जब पुलिस के सामने जाएगा और पुलिस की जांच से गुजरेगा तो उसका क्या होगा। इसने जो स्क्रीनशॉट दिखाया वह किसी ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर कंपनी का है। फॉरेंसिक जांच जब होगी तो प्याज के छिलकों की तरह कांग्रेसी षड्यंत्र की परतें भी खुलेंगी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री के बेटे से जुड़े वीडियो वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री के साथ भाजपा की भी मुसीबत बढ़ी है। यह मामला जनता के बीच चर्चा में है और कांग्रेस हमलावर है। चुनाव पर इसका क्या असर होगा यह तो नहीं कहा जा सकता लेकिन केंद्रीय मंत्री चर्चाओं में जरूर आ गए और उनकी छवि पर असर पड़ना तय है।। मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव के बीच वायरल हुए तीन वीडियो ने राज्य की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस जहां हमलावर है और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर का इस्तीफा मांग रही है, वहीं भाजपा तोमर के बचाव में खड़ी है।

सेल्फी लेने वाले युवक को नाना पाटेकर ने जड़ा जोरदार थप्पड़, भड़के लोग

एजेन्सी

वाराणसी। अभिनेता नाना पाटेकर ने अपने एक प्रशंसक को जोरदार थप्पड़ जड़ा है। इसका वीडियो अब जमकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह वीडियो वाराणसी का बताया जा रहा है, जहां 72 वर्षीय पाटेकर निर्देशक अनिल शर्मा के साथ अपनी अगली फिल्म जर्नी की शूटिंग में व्यस्त हैं। शूटिंग के दौरान नाना का फैंस उनके पार आया और सेल्फी लेने लगा। इसके बाद गुस्साए नाना पाटेकर ने युवक को चमाटा मार दिया। दस सेकेंड के इस वीडियो में सूट और हैट पहने पाटेकर एक दृश्य के फिल्मांकन के लिए तैयार दिख रहे हैं, तभी एक प्रशंसक उनके पास आता है और साथ में सेल्फी खींचने की कोशिश करता है। वीडियो में प्रशंसक की इस हरकत से गुस्साए पाटेकर उसके सिर के पीछे थप्पड़ मारते नजर आ रहे हैं। इसके बाद पाटेकर के पास खड़ा एक सुरक्षाकर्मी

उस युवक की गर्दन पकड़कर उसे दूर ले जाता दिखाई दे रहा है। प्रशंसक को थप्पड़ मारने के लिए पाटेकर की सोशल मीडिया पर खूब आलोचना हो रही है। एक उपयोगकर्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''नाना के साथ सेल्फी लेना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। एक अन्य उपयोगकर्ता ने लिखा, ''नाना पाटेकर ने एक फैन को थप्पड़ मार दिया, जो उनके साथ सेल्फी लेना चाह रहा था। मैं यहां नाना को दोष नहीं दूंगा। मैं इन प्रशंसकों की मानसिकता और आत्मसम्मान की कमी को नहीं समझ पाता....वे एक 'सेलेब को देखते हैं और सेल्फी लेने के लिए उनकी तरफ दौड़ पड़ते हैं। इन सेलेब को इतनी अहमियत क्यों देनी? एक उपयोगकर्ता ने पाटेकर के व्यवहार को चौंकाने वाला बताया। उसने लिखा, ''वह आराम से न कह सकते थे। उस आदमी को थप्पड़ मारने की क्या जरूरत थी, जो सिर्फ एक सेल्फी लेना चाहता था?

गहलोत ने अजमेर में किया रोड शो

एजेन्सी

अजमेर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर में "कांग्रेस गारंटी यात्रा" के जरिए कांग्रेस की सात गारंटियों को जन–जन तक पहुंचाने के मकसद से गुरुवार को 'रोड शो' किया। श्री गहलोत ने अजमेर उत्तर एवं अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया जिसमें लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले अजमेर के गांधी भवन से मुख्यमंत्री गहलोत ने पहले महात्मा गांधी की आदमकद मूर्ति पर फूलमाला चढ़ाने के बाद गारंटी यात्रा की खुली छत वाली विन्डो कार में सवार हो रोड शो शुरू किया जो अजमेर उत्तर के विभिन्न बाजारों में होता हुआ अजमेर दक्षिण के प्रकाश रोड नगरा पर जनसभा के साथ पूरा हुआ। इससे पहले श्री गहलोत के अजमेर के घूघरा हैलीपेड पहुंचने पर प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, सहप्रभारी अमृता धवन, शहर अध्यक्ष विजय जैन ने अगवानी की।

बम बम भोले के जयकारों के साथ बंद हुए केदारनाथ धाम के कपाट, हजारों तीर्थयात्री बने साक्षी

एजेन्सी

केदारनाथ। उत्तराखंड में स्थित विश्व प्रसिद्ध उच्च गढ़वाल हिमालयी धाम केदारनाथ के कपाट बुधवार को भैयादूज के पावन पर्व पर परंपरागत पूजा पाठ और विधि–विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। भारतीय सेना के बैंड की भक्तिमय स्वर लहरियों के बीच केदारनाथ मंदिर के कपाट सुबह साढ़े आठ बजे शीतकाल के लिए बंद किए गए। कपाट बंद होने के मौके पर कड़ाके की ठंड के बावजूद ढाई हजार से अधिक तीर्थयात्री भगवान के दर्शनों के लिए केदारनाथ में मौजूद थे और जय केदार, बम बम भोले और श्ॐ नमरू शिवायश का जयघोष कर रहे थे। इस अवसर पर केदारनाथ मंदिर को विशेष रूप से फूलों से सजाया गया था। पिछले दिनों हुई बर्फबारी के चलते केदारनाथ पुरी और आसपास का इलाका ताजे बर्फ से ढका है जिसके कारण ठंडी हवाएं चलने से कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। कपाट बंद होने के बाद भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली हजारों तीर्थयात्रियों और सेना के बैंड

बाजों के साथ पैदल अपने प्रथम पड़ाव रामपुर के लिए प्रस्थान हुई। इससे पहले, ब्रह्ममुहूर्त में ही केदारनाथ मंदिर के कपाट खुल गये और मुख्य पुजारी रावल भीमाशंकर लिंग ने स्थानीय शुष्क पुष्पों, ब्रह्म कमल, कुमजा और राख से स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप दिया। इस अवसर पर भारतीय सेना, भारत तिब्बत सीमा पुलिस तथा दानदाताओं ने तीर्थयात्रियों के लिए भंडारे भी आयोजित किये। बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा कि इस साल साढ़े उन्नीस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये। कपाट बंद होने के बाद अब श्रद्धालु भगवान के शीतकालीन प्रवास स्थल ओंकारेश्वर मंदिर में उनके दर्शन और पूजा करेंगे। गढ़वाल हिमालय के चार धाम के नाम से प्रसिद्ध धामों में से एक गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट के पर्व पर बंद हुए थे जबकि यमुनोत्री के कपाट बुधवार को बंद होंगे। बदरीनाथ के कपाट 18 नवंबर को बंद होंगे। सर्दियों में बर्फबारी और भीषण ठंड की चपेट में रहने के कारण चारधामों के कपाट हर साल अक्टूबरकृनवंबर में श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए जाते हैं।

बिहार में धूमधाम के साथ मना भैयादूज और चित्रगुप्त पूजा

एजेन्सी

पटना। बिहार में भाई–बहन के पवित्र बंधन और प्रेम का प्रतीक भाईदूज और कलम के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त की पूजा धूमधाम के साथ मनायी जा रही है।

भाई–बहन के अटूट प्रेम और स्नेह के प्रतीक का पर्व 'भैयादूज' और कलम के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त की पूजा बिहार में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनायी जा रही है। भाईदूज को 'यम द्वितीया' के नाम से भी जाना जाता है। यह भाई–बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व है। इस पर्व को बड़ी श्रद्धा–भक्ति और निःस्वार्थ प्रेम के रूप में मनाया जाता है। रक्षाबन्धन के अलावा भाईदूज ऐसा दूसरा त्योहार है, जो भाई–बहन के अगाध प्रेम को समर्पित है। यह त्योहार रक्षाबंधन की तरह ही महत्व रखता है। भाईदूज के दिन विवाहिता बहनें अपने भाई को भोजन के लिए अपने घर पर आमंत्रित करती है।

महापर्व छठ के लिए सजा बाजार, लोगों ने शुरू की खरीददारी

एजेन्सी

पटना। चार दिवसीय सूर्योपासना का महापर्व छठ की शुरुआत 17 नवंबर नहाय खाय के साथ शुरू हो रही है। छठ को लेकर बाजारों की रौनक बढ़ गई है। लोग छठ को लेकर खरीददारी कर रहे हैं। फिलहाल सूप और दउरा के साथ मिट्टी के चूल्हे के अस्थाई दुकानों पर लोग पहुंच रहे हैं। पटना में सड़कों के किनारे छठ से संबंधित दुकानें खुल गई हैं। बाजारों में पूजन सामग्रिया भी पहुंच गई हैं। सड़कों के किनारे दर्जनों की संख्या में नारियल की दुकान खुल गई है। फल कारोबारी भी आशान्वित हैं। बाजार पूरी तरह छठमय हो गया है। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर चारो तरफ सक्रियता बढ़ गई है। प्रशासन छठ घाटों को पूजा करने लायक बनाने के लिए प्रयासरत है तो आम जन जोर शोर से तैयारी में जुटे हैं। जिन लोगों को गांव में जाकर छठ करना है वे यहीं से बांस के बने सूप और दउरा खरीद रहे हैं। पटना के आर ब्लॉक चौराहा में छठ से संबंधित चीजों की कई दुकानें हैं। सूप और दउरा के कई अस्थाई दुकान खुल गए हैं। बताया जाता है कि सूप और दउरा की कीमतों में इस साल पिछले साल की तुलना में इजाफा हुआ है। सूप जहां 140 से 170 रुपए जोड़ा बिक रहा है वहीं दउरा की कीमत उसके आकार और बनावट के आधार पर तय है। दउरा 150 से लेकर 250 तक बाजार में उपलब्ध है। मिट्टी के चूल्हे की कीमतों में भी वृद्धि देखी जा रही है। पटना के बेली रोड, आर ब्लॉक चौराहा, वीरचंद रोड पर मिट्टी के चूल्हे की दुकान सजी है।

भाजपा नेताओं ने हमारे मंत्री के साथ मिलकर लाल डायरी का षड्यंत्र रचा, सीएम गहलोत का आरोप

एजेन्सी

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को आरोप लगाया कि कथित लाल डायरी का षडयंत्र भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने राजस्थान के एक तत्कालीन मंत्री के साथ मिलकर रचा था। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि उन्हें इसकी चिंता नहीं है बल्कि उनका उद्देश्य राज्य में कांग्रेस की सरकार दोबारा बनवाना है। गहलोत सरकार के मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए राजेंद्र गुढ़ा आरोप लगाते हैं कि इस (लाल) डायरी में गहलोत व अन्य नेताओं के अवैध लेनदेन का ब्यौरा दर्ज है। डायरी के कुछ पन्नों की कथित तस्वीर हाल ही में सोशल मीडिया पर आई थी। इस बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने एक बार फिर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पार्टी के वार रूम में संवाददाताओं से कहा, ''वैसे तो पता नहीं कि लाल डायरी और काली डायरी कौन सी है, पर मुझे ऐसा लगता है कि यह सब केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय के अंदर रचे गए

षड्यंत्र के तहत हुआ। वहां पर डायरी को 'लाल डायरी नाम दिया गया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री चार दिन बाद सीकर आने वाले थे। उससे पहले उस व्यक्ति का दुरुपयोग किया गया जो हमारा मंत्री था। उससे बात करके, यह सब भाजपा के नेताओं ने किया, मंत्री (राजेंद्र गुढ़ा) के साथ में। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा, ''इसलिए अगर लाल डायरी की बात करें, या कहें कि पन्ने आ रहे हैं जा रहे हैं... तो हम लोगों को उसकी चिंता नहीं है। हमारा एक ही उद्देश्य है कि कांग्रेस की सरकार दोबारा बने। हमने अच्छा काम किया है, अच्छा प्रशासन दिया है जिससे हमें यकीन है कि आम जनता हमारे कामों पर ठप्पा लगाएगी। गहलोत ने मणिपुर के हालात को लेकर भी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश का एक राज्य जल रहा है लेकिन ''इसकी गंभीरता प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह समझ नहीं पा रहे हैं। प्रधानमंत्री एक बार भी वहां नहीं गए, वहां के लिए एक टिप्पणी तक नहीं की। जो टिप्पणी उन्होंने की वह यह थी कि मणिपुर, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को चाहिए कि शांति बनाए रखें।

कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत कुन्नर का निधन, दिल्ली में ली आखिरी सांस

एजेन्सी / जयपुर। राजस्थान के गंगानगर जिले के करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर का दिल्ली एम्स में इलाज के दौरान निधन हो गया। पार्टी सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, कुन्नर (75) को एम्स के जेरिएट्रिक मेडिसिन वार्ड में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के प्रमाण पत्र के मुताबिक, कुन्नर का निधन सेप्टिक शॉक और गुर्दे की बीमारी के कारण हुआ। वह उच्च रक्तचाप से भी पीड़ित थे। उन्हें 12 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दिवाली उपहारों से 2024 में अमेठी में स्मृति-राहुल के आमना-सामना की पुष्टि हुई!

एजेन्सी

अमेठी। दिवाली ने पुष्टि कर दी है कि उत्तर प्रदेश का अमेठी 2024 के लोकसभा चुनावों में एक हाई प्रोफाइल और बहुप्रतीक्षित मुकाबले की उम्मीद कर सकता है।

अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेठी के मतदाताओं को उपहार के साथ–साथ त्योहार की शुभकामनाएं भी भेजी हैं। 2019 में भाजपा की स्मृति ईरानी से हारने से पहले राहुल गांधी ने तीन बार लोकसभा में अमेठी का प्रतिनिधित्व किया था। सूत्रों के मुताबिक, जहां स्मृति ने अमेठी के निवासियों के लिए मोबाइल फोन, दीवार घड़ियां और साड़ियां भेजी हैं, वहीं राहुल ने निर्वाचन क्षेत्र के निवासियों के बीच वितरण के लिए मिठाई के साथ शर्ट और ट्रॉउजर्स भेजे हैं। अमेठी में भाजपा प्रवक्ता गोविंद चौहान ने कहा कि स्मृति के उपहार अनिवार्य रूप से सामाजिक रूप से वंचित, गरीबों और शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के बीच वितरित किए गए थे। उन्होंने कहा, हमने यह सुनिश्चित किया कि उपहार जरूरतमंदों तक पहुंचे। अलग–अलग परिवारों को अलग–अलग उपहार दिए गए। गोविंद चौहान ने कहा कि स्मृति का इशारा कोई नई बात नहीं है। वह पूरे साल और सभी त्योहारों के मौसम में निस्वार्थ सार्वजनिक सेवा करती रही हैं। इस बीच, बीजेपी के पूर्व अमेठी अध्यक्ष दया शंकर यादव का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें उन्हें यह कहते हुए सुना जा सकता है कि लोगों को स्मृति ईरानी को अपना वोट देकर इसका बदला लेना चाहिए, जो उनकी दीदी और बेटी जैसी हैं। यदि बहन बेटी उपहार भेजती है तो उसको लिया जाता है... बदले में आशीर्वाद के साथ कुछ न कुछ दिया जाता है, नहीं तो पाप लगता है। अगर दीदी ने हमें गिफ्ट दिया है तो हमें उनको वोट देना है। चौहान ने कहा कि यादव ने जो कहा उसमें कुछ भी गलत नहीं था। उन्होंने कहा, उनके कहने का मतलब केवल यह था कि लोगों को स्मृति के और भी करीब आना चाहिए, जो साल भर निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए काम करती हैं। इस बीच, अमेठी में कांग्रेस के जिला प्रमुख प्रदीप सिंह ने कहा कि राहुल के उपहार निर्वाचन क्षेत्र के लगभग 5,000 घरों में भेजे गए थे।

वह पहले भी अमेठी के पार्टी पदाधिकारियों को उपहार भेजते रहे हैं। इस बार, निर्वाचन क्षेत्र में अधिक लोगों तक पहुंच बढ़ा दी गई है। अमेठी के लोग उनके परिवार की तरह हैं और त्योहार पर परिवार के सदस्यों को उपहार भेजने में कुछ भी गलत नहीं है।

सम्पादकीय

डॉग बाइट पर मुआवजा

आए दिन कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि के चलते इस बाबत समाज में लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। अब इस मामले में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि कुत्तों के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को समय से मुआवजा मिलना सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, इस तरह के मामलों में बढ़ती शिकायतों के बाद कोर्ट ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि ये मामले इतने बढ़ गये हैं कि लोगों को कोर्ट आने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे देने के लिये राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी। कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकारों एवं चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिया कि मुआवजा तय करने के लिये समिति बनायी जाए। समितियां जिलों के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में बनेंगी। पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन करने के उपरांत जांच की जाए तथा चार माह की अवधि में पीड़ित को मुआवजा मिल जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजे के लिये सरकारें जवाबदेह हैं। साथ ही राज्य को डिफॉल्ट एजेंसी व व्यक्ति से इसकी वसूली का अधिकार रहेगा। कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला न्यूनतम मुआवजा दस हजार रुपये होगा। वहीं शरीर पर घाव की स्थिति में मुआवजा उसकी गहराई के आधार पर न्यूनतम बीस हजार रुपये तय होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने सड़कों को आवारा जानवरों से मुक्त रखने के भी निर्देश दिये। कोर्ट ने आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से होने वाली मौतों पर दुख जताया। यह भी कहा कि इसका मानव जीवन पर असर पड़ रहा है। आवारा पशुओं का सड़कों पर कब्जा करना चिंताजनक हैं। अब सरकार को यह बोझ उठाना चाहिए और पीड़ितों को राहत मिलनी चाहिए। यह भी कि आवारा व जंगली जानवरों के सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इलाके में स्थित थाने के एसएचओ को इस बाबत रोज रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। बाद में पुलिस अधिकारी दावे की जांच करके पीडिघ्त को मुआवजा दिलाए। निस्संदेह, अदालत की यह पहल एक सराहनीय कदम है। ऐसे मामलों में कुत्ता पालने वाले लोगों से मुआवजा वसूलना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अकसर देखा जाता है कि ऐसे लोग प्रभाव का इस्तेमाल करके मुआवजा देने से बच जाते हैं। इतना ही नहीं पार्क व अन्य स्थानों में पालतू जानवरों को घुमाने वाले लोग सार्वजनिक स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखते और ये जगह–जगह गंदगी फैलाने लगते हैं। विदेशों में सख्त प्रावधान है कि पालतू जानवर के गंदगी फैलाने पर उसको उठाने की जिम्मेदारी कुत्ते के मालिक की होती है। लेकिन भारत में गली–चौराहे में गंदगी फैलाना लोग अपना अधिकार मान लेते हैं। निश्चित रूप से यदि पालतू कुत्ते किसी को काटते हैं तो मालिक की जिम्मेदारी तय करते हुए मुआवजा की वसूली उससे की जानी चाहिए। यहां सवाल आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का भी पैदा होता है। घर का कमाऊ व्यक्ति यदि रैबीज संक्रमण से मर जाता है तो उसके परिवार का क्या होगा? अब यदि कोर्ट ने काटने पर मुआवजा तय किया है तो व्यक्ति की मौत पर भी पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा तय किया जाना चाहिए। विडंबना यह भी है कि अक्सर आवारा जानवरों के हमलों का शिकार बुजुर्ग व बच्चे ही होते हैं क्योंकि वे अपना बचाव करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में यह भी जरूरी हो जाता है कि मुआवजे के साथ ही पीड़ित व्यक्ति के महंगे इलाज का खर्च भी सरकार वहन करे। साथ ही सस्ते मूल्य पर रैबीज के टीके उपलब्ध कराये जाएं ताकि पीड़ित गरीब व्यक्ति को दोहरी मार से राहत मिल सके। निस्संदेह, सदियों से कुछ जानवर मनुष्य के सहचर रहे हैं, लेकिन बदलती परिस्थितियों में वे ही लोगों के लिये समस्या की वजह बन गए हैं। वहीं पारिस्थितिकीय संतुलन के लिये भी जरूरी है कि मनुष्य के सहचर जीव–जंतु अपना अस्तित्व बनाये रखें। जरूरत इस बात की भी है कि बदले हालात में उनके अस्तित्व को बनाये रखने के साथ ऐसी व्यवस्था हो कि वे किसी व्यक्ति के जीवन पर संकट का वाहक न बनें।

डॉग बाइट पर मुआवजा

आए दिन कुत्ते के काटने की घटनाओं में वृद्धि के चलते इस बाबत समाज में लगातार चिंता व्यक्त की जाती रही है। अब इस मामले में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए राज्य सरकारों को निर्देश दिया है कि कुत्तों के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को समय से मुआवजा मिलना सुनिश्चित किया जाए। दरअसल, इस तरह के मामलों में बढ़ती शिकायतों के बाद कोर्ट ने 193 याचिकाओं का निपटारा करते हुए यह फैसला दिया। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि ये मामले इतने बढ़ गये हैं कि लोगों को कोर्ट आने को मजबूर होना पड़ रहा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मुआवजे देने के लिये राज्य सरकारें जिम्मेदार होंगी। कोर्ट ने हरियाणा व पंजाब सरकारों एवं चंडीगढ़ प्रशासन को निर्देश दिया कि मुआवजा तय करने के लिये समिति बनायी जाए। समितियां जिलों के डिप्टी कमिश्नर की अध्यक्षता में बनेंगी। पीड़ित पक्ष द्वारा आवेदन करने के उपरांत जांच की जाए तथा चार माह की अवधि में पीड़ित को मुआवजा मिल जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मुआवजे के लिये सरकारें जवाबदेह हैं। साथ ही राज्य को डिफॉल्ट एजेंसी व व्यक्ति से इसकी वसूली का अधिकार रहेगा। कुत्ते के काटने पर दिया जाने वाला न्यूनतम मुआवजा दस हजार रुपये होगा। वहीं शरीर पर घाव की स्थिति में मुआवजा उसकी गहराई के आधार पर न्यूनतम बीस हजार रुपये तय होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने सड़कों को आवारा जानवरों से मुक्त रखने के भी निर्देश दिये। कोर्ट ने आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या से होने वाली मौतों पर दुख जताया। यह भी कहा कि इसका मानव जीवन पर असर पड़ रहा है। आवारा पशुओं का सड़कों पर कब्जा करना चिंताजनक हैं। अब सरकार को यह बोझ उठाना चाहिए और पीड़ितों को राहत मिलनी चाहिए। यह भी कि आवारा व जंगली जानवरों के सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इलाके में स्थित थाने के एसएचओ को इस बाबत रोज रिपोर्ट तैयार करनी चाहिए। बाद में पुलिस अधिकारी दावे की जांच करके पीडिघ्त को मुआवजा दिलाए। निस्संदेह, अदालत की यह पहल एक सराहनीय कदम है। ऐसे मामलों में कुत्ता पालने वाले लोगों से मुआवजा वसूलना भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। अकसर देखा जाता है कि ऐसे लोग प्रभाव का इस्तेमाल करके मुआवजा देने से बच जाते हैं। इतना ही नहीं पार्क व अन्य स्थानों में पालतू जानवरों को घुमाने वाले लोग सार्वजनिक स्वच्छता का ध्यान भी नहीं रखते और ये जगह–जगह गंदगी फैलाने लगते हैं। विदेशों में सख्त प्रावधान है कि पालतू जानवर के गंदगी फैलाने पर उसको उठाने की जिम्मेदारी कुत्ते के मालिक की होती है। लेकिन भारत में गली–चौराहे में गंदगी फैलाना लोग अपना अधिकार मान लेते हैं। निश्चित रूप से यदि पालतू कुत्ते किसी को काटते हैं तो मालिक की जिम्मेदारी तय करते हुए मुआवजा की वसूली उससे की जानी चाहिए। यहां सवाल आवारा कुत्तों के काटने से होने वाली मौतों का भी पैदा होता है। घर का कमाऊ व्यक्ति यदि रैबीज संक्रमण से मर जाता है तो उसके परिवार का क्या होगा? अब यदि कोर्ट ने काटने पर मुआवजा तय किया है तो व्यक्ति की मौत पर भी पीड़ित परिवार के लिये मुआवजा तय किया जाना चाहिए। विडंबना यह भी है कि अक्सर आवारा जानवरों के हमलों का शिकार बुजुर्ग व बच्चे ही होते हैं क्योंकि वे अपना बचाव करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में यह भी जरूरी हो जाता है कि मुआवजे के साथ ही पीड़ित व्यक्ति के महंगे इलाज का खर्च भी सरकार वहन करे। साथ ही सस्ते मूल्य पर रैबीज के टीके उपलब्ध कराये जाएं ताकि पीड़ित गरीब व्यक्ति को दोहरी मार से राहत मिल सके। निस्संदेह, सदियों से कुछ जानवर मनुष्य के सहचर रहे हैं, लेकिन बदलती परिस्थितियों में वे ही लोगों के लिये समस्या की वजह बन गए हैं।

महुआ मोइत्रा और ममता दीदी

तृणमूल कांग्रेस की नेता सुश्री महुआ मोइत्रा को इस पार्टी की नेता ममता दीदी ने प. बंगाल के नदिया जिले का पार्टी अध्यक्ष बना दिया है। इसे लेकर राजनीतिक क्षेत्रों में इस वजह से आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है क्योंकि महुआ मोइत्रा पर संसद में प्रश्न पूछने के मामले में भाजपा सांसद निशिकान्त दुबे ने जिस प्रकार के आरोप लगाये और उन पर एक संसद सदस्य के रूप में अनुचित आचरण करने की बात कही, उन्हें लेकर संसद की आचार समिति ने जांच की और अपनी तुरत–फुरत की गई जांच में इसने पाया कि सुश्री महुआ ने अपने सांसद के रूप में प्राप्त किया गया अपना इंटरनेट का लॉगइन पासवर्ड अनधिकृत रूप से एक पूंजीपति दर्शन हीरा नन्दानी को दिया। हीरा नन्दानी ने इस पासवर्ड का उपयोग करके महुआ मोइत्रा को संसद में कुछ सवाल पूछने के लिए भेजे जिन्हें उन्होंने लोकसभा में पूछा भी। आचार समिति ने महुआ के इस आचरण को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखते हुए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा तक से जोड़ दिया और बहुमत से फैसला किया कि उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी जाये परन्तु राजनीति ऐसा विज्ञान माना जाता है जिसमें ऊपर से दिखाई पड़ता है वह शत– प्रतिशत भीतर से नहीं होता है। सुश्री मोइत्रा ने आचार समिति की जांच का बीच में ही बहिष्कार यह कहते हुए किया कि उनसे जो सवाल पूछे गये वे उनके निजी जीवन के बारे में इस तरह के थे कि किसी भी स्त्री को उनका विवरण देते हुए लाज व शर्म लगेगी। उन्होंने इसे अपने 'वस्त्र हरण' के समकक्ष तक रख दिया। महुआ मोइत्रा के इस कड़े व स्पष्ट रुख की वजह से आम जनता के बीच जो सन्देश गया उससे आचार समिति को लेकर ही लोगों के दिमाग में भ्रम का वातावरण बन गया क्योंकि जब महुआ से आचार समिति सवाल पूछ रही थी तो समिति में शामिल विपक्षी दलों के सांसदों ने भी इसका विरोध किया था और बहिष्कार तक किया था। लोकतन्त्र की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि इसमें किसी भी हकीकत को लम्बे समय तक जनता से छिपाया नहीं जा सकता। वैसे तो संसदीय समितियों की रिपोर्ट संसद की सम्पत्ति होती है और इनकी रिपोर्ट नियमानुसार तब तक सार्वजनिक नहीं की जा सकती जब तक कि उसे संसद में पेश न कर दिया जाये। मगर महुआ के मामले में सभी नियम धराशायी होते गए। लोकसभा अध्यक्ष को रिपोर्ट सौंपने से पहले ही आचार समिति की रिपोर्ट मीडिया को 'लीक' हो गई जिससे नियमानुसार यह मामला भी संसद के विशेषाधिकार हनन का बन जाता है। मगर आम जनता को इस बात पर भी कम आश्चर्य नहीं था कि जब महुआ मोइत्रा तृणमूल कांग्रेस सांसद की हैसियत से अपनी लड़ाई लड़ रही थीं तो इस पार्टी की नेता ममता दीदी ने उन्हें बिल्कुल अकेला छोड़ दिया था।

पार्टी का कोई भी अधिकारिक प्रवक्ता इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहा था और ममता दी समेत सभी ने अपने होंठ सिल रखे थे परन्तु जब महुआ ने अपनी लड़ाई अकेले ही लड़कर आम जनता के बीच अपने प्रति सहानुभूति प्राप्त करने की तरफ कदम बढ़ाये तो ममता दी ने उन्हें लपकने में क्षण भर की देरी भी नहीं लगाई। इस दौरान ये अपवाहें भी तेजी से उड़ने लगीं थीं कि महुआ मोइत्रा आगामी लोकसभा चुनावों से पहले ही तृणमूल कांग्रेस छोड़कर असली कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर लेंगी परन्तु ममता दी ने इसका अवसर महुआ को देना उचित नहीं समझा और उन्हें पुनः संगठन में वही पद देने की घोषणा कर दी जिस पर वह पहले भी रह चुकी थीं। महुआ मोइत्रा कृष्णानगर जिला पार्टी की अध्यक्ष रही थीं। अब नदिया जिला इसी से काट कर अलग कर दिया गया है और महुआ को इसका अध्यक्ष बना दिया गया है।

महुआ मोइत्रा की सांसदी जानी तय मानी जा रही है क्योंकि आचार जांच समितियों की सिफारिशों को लोकसभा अध्यक्ष द्वारा स्वीकार करने की पुरानी परंपरा है। ममता दी ने महुआ को अपनी पार्टी में ही रोके रखने का जो निर्णय लिया उसके भी कई पहलू हैं। बेशक तृणमूल कांग्रेस प. बंगाल की सत्तारूढ़ व बलशाली पार्टी है। यह कांग्रेस की सदस्यता वाले 'इंडिया गठबन्धन' में भी शामिल है परन्तु लोकसभा के चुनाव देश में केन्द्र की सरकार बनाने के लिए होंगे । इन चुनावों में क्षेत्रीय दलों की बहुत सीमित ही भूमिका होती है । देश की सरकार के लिए ममता दी कोई प. बंगाल परक विमर्श राज्य की जनता के गले नहीं उतार सकतीं क्योंकि मतदाताओं के सामने दो विकल्प स्पष्ट होने जा रहे हैं। ये विकल्प विमर्श रूप में भारतीय जनता पार्टी व कांग्रेस के ही होंगे। भारत के लोगों को इन दो में से एक ही विमर्श चुनना होगा। क्षेत्रीय दलों की भूमिका निश्चित रूप से इन विमर्शों के सहायकों की होगी परन्तु वे किसी भी सूरत में अग्रणी भूमिका में नहीं आ पायेंगे। जबकि महुआ मोइत्रा ने संसद में जो लड़ाई लड़ी है उसके केन्द्र में राष्ट्रीय विमर्श है जो कि भारत की आर्थिक नीतियों से जुड़ा हुआ है। अतः महुआ को तृणमूल कांग्रेस में ही रोके रखना ममता दी की मजबूरी थी। लोकतन्त्र में राजनीति के जितने भी रंग हो सकते हैं वे इस तरह की राजनीति में निखर कर जनता के सामने किसी न किसी रूप में आ ही जाते हैं। इसीलिए इसे दुनिया की सबसे बेहतरीन प्रशासन प्रणाली कहा जाता है।

उत्तराखंड: सवालों के पहाड़

आदित्य नारायण

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा धंस जाने से उसमें फंसे 40 मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे में न केवल उत्तराखंड में बल्कि सभी पहाड़ी राज्यों में चल रहे विकास परियोजनाओं और पहाड़ों को काट–काट कर किए जा रहे निर्माण को लेकर कई सवाल फिर से उठ खड़े हुए हैं। इसी साल मार्च महीने में भी इसी टनल का कुछ हिस्सा धंस गया था लेकिन इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ था। यह सुरंग ऑल वेदर रोड परियोजना का हिस्सा है जो गंगोत्री और यमुनोत्री को जोड़ती है। इस सुरंग के बनने के बाद यात्रियों के लिए 26 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। इसमें कोई संदेह नहीं कि पहाड़ी राज्यों में नई सड़कें बनने से राज्य के आर्थिक प्रगति के मार्ग खुलते हैं। नई सड़कों से जिन्दगी की रफ्तार तेज होती है। पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती है और स्थानीय लोगों को कारोबार तथा रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होते हैं। उत्तराखंड में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है और इसके चलते लोग पलायन कर दूसरे राज्यों में चले गए हैं। राज्य

के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए ही अनेक विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। निजी क्षेत्र को निवेश के लिए प्रोत्साहित किया गया। बड़े पैमाने पर होटल खुले, पर्यटन बढ़ा। लोगों को रोजगार भी मिला लेकिन पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों ने इन विकास परियोजनाओं का काफी विरोध किया था। उनका कहना है कि इनसे पहाड़ों पर भू–स्खलन बढ़ेगा। मामला अदालतों तक भी पहुंचा था लेकिन विकास परियोजनाएं जारी रहीं। जिस तरह से सड़कों के निर्माण और पन बिजली योजनाओं के लिए सुरंगों का निर्माण किया गया। उनसे पहाड़ पहले ही काफी कमजोर हो चुके हैं। तेज बारिश हो या हल्का सा कम्पन, पहाड़ ढहने लगते हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, उत्तराखंड में 66 नई बड़ी सुरंगें बनाने के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में पहाड़ काटकर कम से कम 19 नई बड़ी सुरंगें बनाई जा रही हैं। अगर अभी चल रही सुरंगों की बात करें तो उत्तराखंड में 18 बड़ी सुरंगें संचालित हैं। हिमाचल प्रदेश में एक सुरंग अटल टनल अभी चल रही है। सुरंगें पहाड़ को खोद कर ही बनाई जा सकती हैं। सुरंगें और नई सड़कें कनेक्टिविटी तो बेहतर कर देती हैं लेकिन इनकी बहुत बड़ी कीमत पहाड़ को चुकानी पड़ती है और पहाड़ ये कीमत अकेले नहीं चुकाता इस कीमत में इंसानों की भी हिस्सेदारी है। आपको इस साल जनवरी के महीने में उत्तराखंड के जोशीमठ से आई तबाही की तस्वीरें जरूर याद होंगी। हजारों साल पुराने उत्तराखंड के ऐतिहासिक शहर जोशीमठ के 561 घरों में दरारें आ गई थीं। जोशीमठ के लोगों ने तब भी जमीन धंसने के पीछे विकास और हाइड्रो प्रोजेक्ट को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन अब तो बारिश की एक–एक बूंद जोशीमठ को तबाह करने पर तुली है। दरारों से दरकने का खतरा सिर्फ जोशीमठ तक नहीं है, उत्तराखंड के उत्तरकाशी से लेकर देहरादून तक के घर दरक रहे हैं। भारी बारिश के बाद पुल ढहने से उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के मध्य महेश्वर धाम में दर्शन करने आए 25 श्रद्धालु फंस गए। उनकी जिंदगी बचाने के लिए हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया लेकिन धाम में लैंडिंग की जगह नहीं थी। मुश्किल वक्त में स्थानीय महिलाएं आगे आईं और उन्होंने कुछ ही घंटों में वहां हेलिकॉप्टर उतरने लायक जगह साफ कर दी। तब जाकर फंसे लोगों को रेस्क्यू किया गया। कहा जा सकता है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों पर अब तक की सबसे बड़ी तबाही का खतरा मंडरा रहा है। पहाड़ों पर कोहराम मचा हुआ है। घर, सड़क, मंदिर, स्कूल और पहाड़ कांच के टुकड़ों की तरह बिखर रहे हैं। पहाड़ी का पोर–पोर टूट रहा है। पहाड़ी राज्यों में ऐसे खौफनाक मंजर दिख रहे हैं जिनसे रुह कांप जाती है। पहाड़ी राज्यों में कई शहरों के वजूद पर संकट खड़ा हुआ है। प्रश्नों का पहाड़ हमारे सामने है। सवाल उठ रहा है कि विकास का जो मॉडल अपनाया जा रहा है क्या वह सही है। अगर हम पर्यावरणीय चुनौतियों को नजरंदाज करके या पर्वतीय शर्तों को भूलकर विकास करेंगे तो खतरे राक्षस की तरह व्यवहार करेंगे। वास्तव में विकास परियोजनाएं पहाड़ों की प्राथमिकताओं को समझ नहीं पातीं। मामला सिर्फ सड़कों और सरंगें बनाने का नहीं बल्कि पहाड़ी परिवेश को बचाते हुए पर्वतीय विकास का भी है। विशेषज्ञ और सरकार भी यह महसूस करते हैं कि परियोजनाओं में कुछ आधारभूत परिवर्तन किए जाने चाहिए। अगर ऐसी आपदाएं आती रहीं और जान–माल की क्षति होती रही तो सवाल उठेगा ही कि इन परियोजनाओं से आखिर स्थानीय लोगों को क्या हासिल होगा। सुरंगें खोदने के लिए जिस तरह से भारी मशीनों का उपयोग किया जाता है उनके कम्पन को पहाड़ सहन नहीं कर पा रहे हैं। जरूरी है कि परियोजनाओं को लेकर नए सिरे से विचार किया जाए ताकि भविष्य में लोगों का जीवन सुरक्षित रहे।

अदालत के आदेश का अनादर चिंताजनक

अजीत द्विवेदी

दिवाली के अगले दिन छपे हुए अखबार तो नहीं आए लेकिन अखबारों और न्यूज चौनलों की वेबसाइट पर जो सुर्खियां दिखीं वो बेहद चिंताजनक थीं। एक न्यूज चौनल की हेडलाइन थी 'धुएं में उड़ा सुप्रीम कोर्ट का आदेश' तो एक दूसरी वेबसाइट ने लिखा 'दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ीं'। दिवाली की रात दिल्ली के लोगों के एक समूह ने पटाखों पर पाबंदी के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाईं तो दूसरा समूह सर्वोच्च अदालत के आदेश के बेशर्म अनादर का बेबस साक्षी बना और सुबह होते होते पूरे देश को इसका पता चल गया। सो, पहला सवाल तो दिमाग में यह आता है कि इससे सुप्रीम कोर्ट की क्या इज्जत बची? लेकिन क्या सचमुच यह मामला सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या उसके मौजूदा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ या पटाखों पर पाबंदी के आदेश देने वाली पीठ के जजों की इज्जत का है या देश, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और करोड़ों अन्य लोगों के सम्मान व उनके जीवन के अनादर का मामला है? क्या यह देश और राज्य की सरकारों के लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए कि वे सर्वोच्च अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करा पाए? इन सवालों के जवाब बहुत सरल नहीं हैं।

पटाखों पर पाबंदी के आदेश का उल्लंघन कई पहलुओं से भविष्य के लिए खतरनाक और चिंताजनक है। इसमें एक पहलू धर्म का है। दूसरा पहलू न्यायपालिका के सम्मान का है, जिसकी रक्षा करना सरकार और नागरिक दोनों की जिम्मेदारी है और तीसरा पहलू करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य का है। पटाखों पर पाबंदी के मामले में धर्म का पहलू पहले दिन से जुड़ा है। एक बड़ा समुदाय ऐसा है, जो इसे हिंदू धर्म की मान्यताओं में अदालत के हस्तक्षेप के तौर पर देखता है। हालांकि ऐसा मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि बारूद मुगलों के साथ भारत आया और उससे पहले दिवाली पर पटाखे चलाने की परम्परा नहीं थी। पटाखे चलाना दिवाली की पूजा पद्धति या परम्परा का हिस्सा नहीं है। अदालत ने अपने फैसले में कहा भी कि इस पर पाबंदी किसी के धार्मिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। अदालत की यह टिप्पणी उसके आदेश के उल्लंघन का एक बड़ा कारण बनी।

असल में पिछले कुछ बरसों में हिंदुवादी संगठनों और देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की ओर से हिंदुओं के जाग जाने या हिंदुओं के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जैसा हल्ला बनाया गया है उसकी परीक्षा ऐसे मौकों पर की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही इसकी शुरुआत हो गई थी। सोशल मीडिया में लोगों से यह अपील की गई कि वे अपनी ताकत दिखाएं और सुप्रीम कोर्ट को उसकी जगह। लोगों से खुल कर पटाखे चलाने की अपील की गई। और दिवाली के अगले दिन सोशल मीडिया में सुप्रीम कोर्ट ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा। लोगों ने पटाखे चलाने की वीडियो डाल कर सुप्रीम कोर्ट के लिए अभद्र टिप्पणियां की। समझदार लोगों ने भी यह सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट क्यों बार बार इस तरह के आदेश देता है, जिस पर अमल सम्भव नहीं है। सोचें, किसी दूसरे सभ्य देश में क्या ऐसा हो सकता है? सर्वोच्च अदालत कोई आदेश दे और उसका खुलेआम उल्लंघन हो और सरकारें व कानूनी एजेंसियां उसे चुपचाप

देखती रहें?

याद करें कैसे केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ था और तब देश के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अदालतों को ऐसे आदेश नहीं देने चाहिए, जिनका पालन नहीं किया जा सके। जिनके ऊपर अदालत के आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी है वो अगर ऐसी टिप्पणी करते हैं तो दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी के आदेश के उल्लंघन को आसानी से समझा जा सकता है। इसका स्पष्ट संकेत यह है कि अदालतें बहुसंख्यक समुदाय के धर्म, मंदिर, त्योहार आदि के बारे में कोई ऐसा फैसला करती हैं, तो एजेंसियां उसे लागू कराने के लिए बाध्य नहीं होंगी और यह उस समुदाय के लोगों की मर्जी पर होगा कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं करते हैं। दिल्ली इसकी मिसाल बनी है। दिवाली की रात जब पूरी दिल्ली में अदालत के आदेश का प्रतिरोध करने के लिए पटाखे फोड़े जा रहे थे तब अनेक सजग नागरिकों ने पुलिस को फोन किया लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसकी कोई खबर नहीं है कि पुलिस ने कहीं पर लोगों को पटाखे चलाने से रोका या अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की।

यही इस मामले का दूसरा पहलू है। कोई कार्रवाई नहीं करके केंद्र और उसकी एजेंसियों की ओर से अदालत को यह संदेश दिया गया है कि वह ऐसे फैसले नहीं करे, जिस पर अमल नहीं कराया जा सके। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक बात है। भारत का संविधान विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है। यह अलग बात है कि भारत में दो संस्थाएं– विधायिका और कार्यपालिका अलग अलग काम नहीं करती हैं। विधायिका का काम कार्यपालिका के फैसलों पर मुहर लगाने भर का रह गया है। लेकिन न्यायपालिका अब भी स्वतंत्र है और एक स्वायत्त संस्था के तौर पर काम करती है। परंतु मुश्किल यह है कि उसे अपने फैसलों के अनुपालन के लिए कार्यपालिका पर निर्भर रहना है। संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक परम्परा के तहत यह कार्यपालिका की जिम्मेदारी बनती है कि वह न्यायपालिका के आदेशों पर अमल कराए। असहमत होते हुए भी उसे आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना होता है। दुर्भाग्य से भारत में यह परम्परा टूटती दिख रही है। सरकारें ऐसी प्रवृत्ति दिखा रही हैं कि वह उन्हीं आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगी, जो उसके और उसके व्यापक मतदाता समूह की पसंद का हो। अभी यह काम धार्मिक मामलों में हो रहा है क्योंकि धर्म की अफीम चाट कर गाफिल पड़ी जनता को लग रहा है कि अदालत के आदेशों का उल्लंघन करके वह धार्मिक श्रेष्ठता साबित कर रही है। आने वाले दिनों में हो सकता है कि राजनीतिक मामलों में भी ऐसा होने लगे।

तीसरा पहलू स्वास्थ्य का है। यह ध्यान रखने की बात है कि पटाखों पर पाबंदी का सिर्फ और सिर्फ एक आधार यह कि इनसे प्रदूषण फैलता है। वायु गुणवत्ता खराब होती है, जिससे करोड़ों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यह बात वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दिवाली की रात और अगले दिन की सुबह के आंकड़ों से भी यह बात प्रमाणित हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिवाली की रात 12 बजे के करीब दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू मॉनिटरिंग स्टेशन पर पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का स्तर एक हजार के करीब था यानी सामान्य से करीब 15 गुना ज्यादा। दिवाली की अगली सुबह दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई चार सौ के करीब था, जो गंभीर श्रेणी में है। ध्यान रहे दिवाली से दो दिन पहले हुई बारिश ने दिल्ली की हवा साफ कर दी थी और एक्यूआई में सुधार हुआ था। हालांकि तब भी वह खतरनाक श्रेणी में थी। फिर भी दिल्ली के लोगों ने राजनीतिक और धार्मिक कारणों से अदालत के आदेश की धज्जियां उड़ाईं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि इससे करोड़ों लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा।

सर्दियों में दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, गाडियों के धुएं और पटाखों की वजह से हवा जहरीली हो जाती है। दिल्ली गैस चौम्बर में तब्दील हो जाती है। तभी सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली सरकार ने पटाखों पर पाबंदी लगाई। अदालत ने बेरियम युक्त पटाखों पर पूरे देश में पाबंदी लगाई है। इसके बावजूद दिल्ली में लोगों ने धुआं धुआं कर दिया और बड़े गर्व से सोशल मीडिया में इसका प्रचार किया। हकीकत यह है कि वायु प्रदूषण आने वाली पीढियों को बीमार और विकलांग बना रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कारण 2019 में एक लाख 60 हजार नवजात बच्चे जन्म के 27 दिन के अंदर मर गए थे। वायु प्रदूषण के कारण हर पांच मिनट में भारत में एक नवजात बच्चे की मौत हो रही है। नौजवान अस्थमा के मरीज बन रहे हैं और बुजुर्गों का जीवन बेहाल हो रहा है।

गांधी के सपनों को साकार कर रही हैं सरकार : राज्यमंत्री गिरीशचंद्र

सरायख्वाजा मे आधुनिक पंचायत भवन का राज्यमंत्री ने किया लोकार्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में आधुनिक पंचायत भवन का लोकार्पण प्रदेश के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव ने किया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सचिवालय से जनता को काफी सहूलियत मिलेगी और ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारी जनप्रतिनिधि इसी सचिवालय पर मौजूद रहकर जनता का काम करेंगे। उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया।

स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री गिरीशचंद यादव ने सरायख्वाजा में ग्राम प्रधान रैना संतोष सिंह द्वारा बनाए गए आधुनिक पंचायत भवन का लोकार्पण किया। राज्यमंत्री गिरीशचंद्र यादव ने कहा कि गांव में सचिवालय या आधुनिक पंचायत भवन बने जहां अधिकारी ग्राम पंचायत भवन मे बैठकर जनता का काम करें। उन्हें मुख्यालय से लेकर लखनऊ दिल्ली तक न भटकना पड़े। आज पीएम मोदी मुख्यमंत्री योगी की सरकार महात्मा गांधी के सपनों को साकार कर रही है। आधुनिक सचिवालय या पंचायत भवन का निर्माण कर रही है। जिसमें सप्ताह में क्रमवार ग्राम स्तर के अधिकारी व जनप्रतिनित बैठकर जनता का काम निबटाएंगे। यहीं से सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। गांव मे जो मूलभूत सुविधाएं हैं वह सरकार दे कर विकास कर रही है। उन्होंने सदर विधानसभा में सड़कों के बिछाए गए जाल को प्रमुख विकास कार्य बताया और कहा कि अब गांव में सड़क ट्रांसफार्मर हैंड पंप का विकास हुआ है और आगे भी होगा। कहा कि सिद्धिकपुर से जमुआही मार्ग के लिए 18 करोड़ का बजट की मंजूरी मिल गई है यह सड़क जल्दी ही नए तरीके से बनेगी। इसके अलावा एक दर्जन सड़के प्रस्तावित है। जिससे अब हर गांव में घर–घर से सड़के जुड़ जाएंगे।

पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह ने सरकार के द्वारा कराए गए विकास कार्यों की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भाजपा सरका हर तरह की सेवाएं गांव के घर–घर तक उपलब्ध कराएगी। उन्होंने सराय ख्वाजा के ग्राम प्रधान रैना संतोष सिंह के द्वारा कराए गए विकास कार्य की जमकर सराहना की,कहा कि अब गांव शहर जैसे हो रहे हैं अध्यक्षता कर रही ग्राम प्रधान रैना संतोष सिंह ने कहा कि गांव को हम सभी सुविधाओं से परिपूर्ण कर प्रदेश का नंबर एक गांव बनाएंगे। भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अजय सिंह ष खर्चू ष्ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन खेतासराय मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र मिश्र ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि डॉ रामसूरत मौर्य, ब्लॉक प्रमुख करंजाकला के प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन, राजकेसर पाल, सूबेदार सिंह,वीडीओ सोधी जितेंद्र सिंह ,कंचन सिंह, दुर्गेश सिंह, हीरा सिंह ठाकुर, प्रशांत सिंह दीपक, संतोष सिंह, रामानंद यादव , राजाराम जायसवाल, अजीत यादव, राजकेशर मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, देवेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

नई भर्ती की माँग और आउटसोर्सिंग के विरोध को लेकर बैंककर्मियों ने किया विरोध प्रदर्शन

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। बैंकों में नई भर्ती की माँग और आउटसोर्सिंग के विरोध को लेकर बैंककर्मियों ने दोपहर बाद भोजनावकाश में बैंक ऑफ बड़ौदा पर विरोध प्रदर्शन किया। बैंककर्मी संगठन ऑल इंडिया बैंक इम्प्लॉईज एसोसिएशन ने इन मांगों को लेकर एक वृहद आंदोलन चला रखा है। दिसम्बर में बैंकवार और क्षेत्रवार हड़तालें होंगी। नए साल की शुरुआत में ही 19 व 20 जनवरी की दो दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल होगी।

शहर की बैंक आफ बड़ौदा की मुख्य शाखा पर विभिन्न बैंको के एकत्रित बैंककर्मियों ने अपनी माँगो को लेकर जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन का आह्वान यूपी बैंक इम्प्लॉईज यूनियन की स्थानीय इकाई ने किया। वरिष्ठ बैंककर्मी नेता और यूनियन के चेयरमैन आर के पाण्डेय ने प्रदर्शनकारी बैंककर्मियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार और बैंक मैनेजमेंट जानबूझकर बैंको में खाली पड़े पद नही भर रही है। जिसके चलते कार्मिको पर काम का भारी बोझ है और ग्राहक सेवा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि खाली पड़े पदों को न भरकर देश के युवाओं को रोजगार के अवसर बन्द किये जा रहे हैं। यूनियन के जिलाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडे ने कहा कि सस्ते पारिश्रमिक पर बैंक के नियमित कार्यो की आउटसोर्सिंग कराकर कामगारों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंको में करीब 2 लाख पद खाली पड़े हैं और युवा बेरोजगारी झेल रहे हैं।

यूनियन के जिलामंत्री अजय मेहरोत्रा ने कहा कि यूनियन ने पिछली 1 अक्टूबर से बैंको में कार्य समय के बाद काम न करने का बिगुल बजा रखा है। नयी भर्ती की माँग को लेकर बैंककर्मियों ने ड्यूटी के समय बैज लगाकर लोगों का ध्यान खींचा। ट्वीटर पर अभियान चलाकर दो लाख खाली पद भरने को ट्रेंड कराया। सभी बैंको के मैनेजिंग डायरेक्टर को कर्मचारियों के हस्ताक्षर लेकर ज्ञापन भेजा गया। केंद्रीय वित्तमंत्री व श्रममंत्री को भी एक एक कर्मचारी से हस्ताक्षर लेकर ज्ञापन भेजा गया। अब बैंककर्मी सड़क पर उतर कर आंदोलन कर रहा है।

प्रदर्शन में प्रमुख रूप से कौशलेंद्र शुक्ला, वर्षा मेहरोत्रा, दीपक बाजपेई, विपिन गुप्ता, संदीप, निर्मला देवी, मालती, नमिता अनिल कुमार, ऋचा शर्मा, रविराज सिंह, राजेश, आशीष, राधेश्याम, कैलाश बाजपेई, नन्हे, सूरज कुमार, आदित्य, संतोष कुमार, चंद्र शेखर आजाद शामिल रहे।

ऊदा देवी के बलिदान को नहीं भुलाया जा सकता- कुलपति

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में वीरांगना ऊदा देवी के बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. विश्वकर्मा छात्रावास समीप ऊदा देवी और मक्का पासी मार्ग पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने वीरांगना ऊदा देवी को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऊदा देवी ने जिस साहस का परिचय देते हुए अग्रेजों का मुकाबला किया था वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। विश्वविद्यालय में स्वतंत्रा संग्राम के शहीदों के नाम पर मार्ग का नाम पड़ा है इससे विद्यार्थी निरंतर उनके बलिदान से परिचित होते रहेंगे।

जनसंचार विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने ऊदा देवी के बलिदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी आज की महिलाओं के लिए ऊर्जा की स्रोत है. पति की मृत्यु के बाद भी पुरे साहस से सिकंदर बाग लखनऊ में पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार कर वीरगति को प्राप्त हुई थी. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनका बलिदान स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है.

इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. संदीप सिंह, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ. अमरेन्द्र सिंह, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. मनीष सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. धर्मेन्द्र, डॉ. अमित वत्स, हिमांशु तिवारी, शशांक, अंकुश गौरव समेत अन्य उपस्थित रहे.

छात्र छात्रों को दी गई यातायात की जानकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। स्थानीय राजा श्री कृष्ण दत्तके इंटर कॉलेज में छात्र–छात्राओं को यातायात के नियमों की जानकारी पुलिस विभाग के यातायात अधिकारियों द्वारा दी गई छात्रों को संबोधित करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार ने कहा कि आप सब जब तक बालिक ब नहीं हो जाते तब तक बिना वैध लाइसेंस के दो पहिया चार पहिया वाहन न चलाएं गाड़ी चलाते समय हमेशा यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। यातायात निरीक्षक जी डी शुक्ला ने कहा की यातायात पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनी है जिसका नाम है हेलमेट आप लोग हेलमेट जरूर देखो दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट व चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग जरूर करें। प्रधानाचार्य डॉक्टर संजय चौबे ने कहा की आप सब अभी छोटे हैं अपने घर को अपने बड़ों को बगैर हेलमेट के बाइक ना चलने दें उनसे बोले कि पापा भैया आप लोग यातायात के नियमों का पालन जरूर करें कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से शुरू हुआ। छात्र–छात्राओं को यातायात यातायात जागरूकता विषयक पोस्टर वह रंगोली बनाई गई थी जिसे अतिथियों द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ विश्वनाथ यादव ने किया इस अवसर पर डॉक्टर रमेश डॉक्टर अशोक मिश्रा, राम प्रताप डॉ बृजेश सिंह ओम प्रकाश सिंह अंजनी कुमार श्रीवास्तव रवि सिंह अनिल कुमार यादव सत्य प्रकाश सिंह वंदना सिंह रंजना चौरसिया व समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपावली और बाल दिवस के अवसर पर सुएज फाउंडेशन इंडिया ने बच्चों को बैग बांटकर त्यौहार की खुशियां की दोगुनी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इस दिवाली के त्यौहार और बाल दिवस के अवसर पर दिल छू लेने वाली पहल के तहत सुएज फाउंडेशन इंडिया ने लखनऊ के स्कूली बच्चों में स्कूल बैग बांटकर त्यौहार की खुशियां दोगुनी कर दी। इस परोपकारी पहल का उद्देश्य इन युवा दिमागों की शिक्षा और कल्याण का समर्थन करना था। इस कार्यक्रम का आयोजन सुएज फाउंडेशन इंडिया द्वारा समर्थित ड्रीम स्कूल प्रोजेक्ट के अन्तर्गत किया गया था।

सुएज फाउंडेशन इंडिया के प्रतिनिधियों ने लखनऊ के छात्रों के बीच स्कूल बैग बांटे। यह वितरण सुएज इंडिया के संकल्प का हिस्सा है, जिसके लिए सुएज देश भर में बच्चों के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने और एक उज्जवल भविष्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर राजेश मठपाल ने पहल के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, षशिक्षा हमारे युवाओं की क्षमता में वृद्धि करने की अहम कुंजी है। स्कूल बैग जैसे आवश्यक उपकरण प्रदान करके, हम इन बच्चों के लिए अनुकूल सीखने के वातावरण में योगदान करने की उम्मीद करते हैं।

सुएज फाउंडेशन इंडिया समुदायों को आगे बढ़ाने और शिक्षा को सकारात्मक बदलाव के उत्प्रेरक के रूप में समर्थन देने के लिए समर्पित है। इस पहल ने न केवल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि वंचित बच्चों के लिए शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने में कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसबिलिटी के महत्व को भी रेखांकित किया। सुएज इंडिया उन समुदायों के जीवन पर सार्थक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेगा जिनकी सेवा के लिए वह प्रतिबद्ध है।

नारी बंधन शक्ति कार्यक्रम आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उपहार इण्डिया फाउण्डेशन की ओर से बुद्धा आडीटोरियम, निकट संगीत नाट्य एकाडमी, गोमतीनगर, लखनऊ में नारी वंदन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी एवं मुख्यमंत्री, उ०प्र० योगी जी को महिला सशक्तीकरण के कार्य करने हेतु उपस्थित अतिथियों एवं महिला कार्यकर्ताओं द्वारा हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरोज प्रसाद ने की, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद एवं चेयरमैन गृह मंत्रालय संसदीय समिति ब्रजलाल द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा

महिलाओं के हित में किये गये कार्यों से अवगत कराया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में गोदावरी मिश्रा, अध्यक्ष, अवध क्षेत्र, महिला मोर्चा एवं लखनऊ द्वारा महिला शसक्तीकरण हेतु जागृह किया गया एवं केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण हेतु किये गये कार्यों की सराहना की गई। महापौर सुषमा खर्कवाल की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

परिवारवाद के पोषक रहे हैं लालू : नित्यानंद

पटना केंद्रीय गृहमंत्री एवं बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष नित्यानंद राय ने आज कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव शुरू से ही यदुवंशियों का भला न कर परिवारवाद के पोषक रहे हैं और इसी को लेकर उनके छोटे पुत्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के पद पर हैं। श्री राय ने बुधवार को यहां चुनिंदा पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि राजद अध्यक्ष श्री यादव ने अपने छोटे पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव को प्रदेश का उपमुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पगड़ी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष रख दी।

41 वें मित्र मिलन का ब्रह्मविद्या मंदिर पवनार में प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भइया ने बताया कि 15 नवंबर का दिवस बाबा के ऐच्छिक निर्वाण का पावन दिन है। संपूर्ण देश के ही नहीं तमाम मित्र दूसरे देश अमेरिका से स्वास्तिक बहन यूरोप से गीता बहन नेपाल से कार्तिक भाई स्विटजरलैंड की धरती से भी जुड़े श्री सिद्धार्थ कृष्ण भी पहुंचे हैं। आज सुबह की प्रार्थना साढ़े चार बजे होने से पहले अदभुत प्रभात फेरी का आयोजन सुंदर ढंग से होता है। प्रार्थना के बाद ललिता दीदी का भजन सुमधुर आवाज में सुनाई दिए।ठीक पांच बजे बाबा की कुटी से धामनदी की ओर प्रदक्षिणा करते हुए सब चले और वहां बाबा की समाधि को दीपों से सजाया गया था। वहां रामधुन होती रही।

खूब सुंदर बाबा को याद किया गया। वापस भरत मंदिर पर गए जहां रामहरि धुन गुंजारित होती रही। फिर बाबा कुटी के समक्ष ऋग्वेद के चयनित 83 मंत्रों का सस्वर पाठ हुआ। सात बजे सभी लोग अन्नपूर्णा की ओर गए जहां विमला बहन की टीम ने सुंदर स्वल्पाहार प्रेम से परोसा। ठीक 9 बजे सभा मंडप में सब पहुंचकर मित्रमिलन में प्रतिभाग करेंगें। जहां लोकनीति विषय पर आदरणीय शीला दीदी, महेंद्र भाई , भारती बहन, पुष्पेंद्र भाई आदि का प्रवचन होगा। दोपहर के बाद सत्र में समूह चर्चा की जाएगी। संपूर्ण राष्ट्र के अनेक प्रदेशों के वरिष्ठ प्रतिनिधि मित्र मिलन में भाग लेने पहुंचे है जिनमें खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री लक्ष्मी दास, हरिजन सेवक संघ के राष्ट्रीय सचिव श्री संजय राय, सर्वोदय आश्रम हरदोई की सचिव कुसुम बहन, चंपारण के मित्र टीपू और ज्वाला भाई, सेवाग्राम के जालंधर भाई, बॉम्बे की गीता मेहता बड़ौदा की पारुल बहन धूलिया की प्राची बहन प्रणव भाई, जौनपुर जयजागत सेवा आश्रम के अमित भाई और अनिल उपाध्याय , ग्राम कुंज विद्यापीठ हथौंज बलिया के श्री धनंजय राय , किरण गुल्हाने, कर्नाटक के देवीगौड़ा जी वर्धा के अमृत भाई और सुनंदा बहन , छत्तीसगढ़ के सोनवाने , महाराष्ट्र के सुभाष पाटिल , आगरा उत्तरप्रदेश के ग्रामशिलपी भाई राधा कृष्ण शर्मा , गुजरात के जलदीप भाई ,स्नेहल बहन , सुरेश भाई जेटसी भाई गाजीपुर के निहाल भाई आदि तमाम लोग आए हैं।

17वें अयोध्या फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी में शामिल हैं देश-विदेश की यह नामचीन हस्तियां

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या फिल्म फेस्टिवल का 17वां संस्करण आगामी 2–3 दिसंबर 2023 को गुरू नानक कालेज, उसरू में होने जा रहा है। दर्जनों देशों के सैकड़ों फिल्मकार अपनी फिल्में अयोध्या फिल्म फेस्टिवल के लिए हर वर्ष भेजते हैं। जिसमें से ज्यूरी सदस्यों द्वारा चयनित चुनिंदा सरोकारी फिल्में समारोह के दौरान प्रदर्शित एवं पुरस्कृत की जाती हैं। इस वर्ष ज्यूरी में देश–विदेश की 6 दिग्गज हस्तियां हैं जो फिल्मों का चयन करेंगी।

उत्तर प्रदेश का सबसे पहला और चर्चित फिल्म समारोह 'अयोध्या फिल्म फेस्टिवल' ही है जो पूरे विश्व में खासा लोकप्रिय होता जा रहा है। 17वें अयोध्या फिल्म फेस्टिवल में विश्व भर से भेजी गई सैकड़ों फिल्मों में से ज्यूरी 25 नवंबर तक सभी बेहतरीन फिल्मों का चयन कर लेगी और 26 नवंबर को इसकी अधिसूचना जारी कर दी जाएगी।

अयोध्या फिल्म फेस्टिवल के संस्थापक और दस्तावेजी फिल्म निर्माता डॉ. शाह आलम राना से हमने विस्तार से बात की। डॉ. राना ने बताया कि इस वर्ष की ज्यूरी में शामिल 6 दिग्गज हस्तियों में एक डॉ. अनुषा श्रीनिवासन अय्यर हैं जो कि सरोकारी पत्रकार के रूप में मशहूर वैश्विक पुरस्कार विजेता लेखिका–निर्देशिका हैं। बाल श्रम, आशा और खुशी पर आधारित उनकी फिल्म श्सारे सपने अपने हैंश ने 128 से अधिक पुरस्कार जीते और 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोहों में प्रदर्शित की गई।

ज्यूरी में दूसरा नाम सना नोरोजबेगी हैं जो कि शिराज विश्वविद्यालय, ईरान से वास्तुकला में स्नातक और असद विश्वविद्यालय, ईरान से शहरी डिजाइन में मास्टर की शिक्षा के साथ उल्लेखनीय परियोजनाओं के लिए फिल्म निर्माता, कला निर्देशक, प्रोडक्शन डिजाइनर और कॉस्ट्यूम डिजाइनर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है, जिसमें पनाह, ए मोर्सल ऑफ लव, पेंटिंग, द ब्रीफकेस और हैलो मुंबई जैसी फिल्में शामिल हैं।

ज्यूरी में तीसरा नाम ऑस्ट्रेलिया के चर्चित अभिनेता, एंकर, पत्रकार चार्ल्स थॉमसन हैं। चार्ल्स ने मराठी भाषा की फिल्म श1909श में भी काम किया, जिसके लिए उन्हें न केवल बेहतरीन समीक्षाएं मिलीं, बल्कि उन्होंने मराठी अखबार श्सामनाश के फ्रंट कवर पर भी जगह बनाई। मुंबई में रहते हुए उन्होंने कई मराठी टीवी धारावाहिकों, बॉलीवुड टीवी धारावाहिकों और हिंदी भाषा की फिल्मों में काम किया। उन्होंने दूरदर्शन के लिए व्यंजन और संस्कृति पर ग्यारह किस्तों की श्रृंखला श्वाह क्या स्वाद हैश सीजन 2 की एंकरिंग और सह–निर्माण भी किया। उन्होंने कई क्षेत्रीय भाषाओं में रिलीज के साथ भारत के ज्म्क टॉक्स के समकक्ष जोश टॉक्स को विकसित करने में भी मदद की।

ज्यूरी में चौथा नाम राहुल बी सेठ एक बेहतरीन संगीतकार, गीतकार, लेखक, गायक और वाइस अभिनेता हैं। राहुल ने 2500 से अधिक विज्ञापन और कॉर्पोरेट जिंगल और एंथम पर काम किया है। विश्व शांति के लिए उनका वैश्विक गान 30 से अधिक देशों में बजाया गया है, जिसको दलाई लामा ने सराहा और समर्थन किया है। राहुल विभिन्न विदेशी फिल्मों और एनिमेशन, फिल्मों, धारावाहिकों और विज्ञापन फिल्मों के लिए चरित्र आवाजों के लिए कई हिंदी डब भूमिकाएँ निभा चुके हैं। उन्होंने अपनी संगीतमय लघु फिल्म के लिए दादा साहेब फाल्के जूरी प्रशंसा पुरस्कार भी जीता, जिसका प्रीमियर रोमानिया के बुखारेस्ट में हुआ था। वह प्रसिद्ध लेखक विक्रम सेठ के भतीजे भी हैं।

ज्यूरी में पांचवां नाम दिब्य चटर्जी का है जो कि एक लेखक, निर्देशक और एक समग्र फिल्म निर्माता हैं, जिनके पास ऐसी कहानियाँ बताने का शौक है जो प्रकृति में थोड़ी असामान्य हैं और विडंबना और मानवता की दुनिया का पता लगाती हैं। दिब्य चटर्जी कई विज्ञापन, वृत्तचित्र और डिजिटल फिल्मों को लिखने और निर्देशित करने के अलावा वह अमेजन प्राइम वीडियो पर दुनिया भर में प्रसारित होने वाले अत्यधिक प्रशंसित भारतीय डार्क कॉमेडी शो श्अफसोसश (2020) के लेखक और सह–निर्माता हैं। उन्हें स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन अवार्ड्स द्वारा सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट (ओरिजिनल कॉमेडी सीरीज) के लिए नामांकित किया गया था और जनवरी 2022 में लॉस एंजिल्स फिल्म अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज का पुरस्कार जीता।

ज्यूरी में आखिरी नाम लेखक और निर्देशक प्रोफेसर मोहन दास हैं जो कि अयोध्या फिल्म फेस्टिवल के ज्यूरी चौयरमैन और डायरेक्टर भी हैं। वे विश्व के कई दर्जन फिल्म समारोहों से जुड़े हैं। भारतीय सिनेमा, कला, संस्कृति और विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए वे कई वैश्विक मंचों पर प्रतिभाशाली फिल्म निर्माताओं और कलाकारों के लिए अवसर प्रदान का अथक प्रयास कर रहे हैं। और लगातार अयोध्या फिल्म समारोह को ऐतिहासिक बनाने में जुटे रहते हैं।

अयोध्या फिल्म समारोह स्थानीय और विश्व के सिनेमाप्रेमियों के बीच एक सेतु बना है। इस मंच पर तमाम कला प्रेमियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका अवसर मिलता रहा है। शाह आलम राना ने बताया कि यह महोत्सव विभिन्न देशों के फिल्म निर्माताओं को फिल्म प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है, जहां नई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय फीचर–लेंथ फिल्में, उच्च गुणवत्ता वाली लघु फिल्में, वृत्तचित्र, संगीत वीडियो और वेब श्रृंखला की स्क्रीनिंग के साथ–साथ फिल्म निर्माण से जुड़े अतिथियों के साथ चर्चा सत्र का आयोजन भी करता रहा है।

सभी को पढ़ने एवं शिक्षा प्राप्त करने का हक: प्रो. वंदना सिंह

प्राइमरी के बच्चों को कुलपति ने बांटें कॉपी-किताब सहित खाने-पीने की चीजें

बाल दिवस के अवसर मिशन शक्ति ने किया विद्यारम्भ संस्कार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए हुए गांव जासोपुर के मुसहर बस्ती के बच्चों का वृहस्पतिवार को मिशन शक्ति 4.0 के तहत विद्यारम्भ संस्कार कराया गया। इस विद्यारंभ संस्कार को जासोपुर के प्राइमरी विद्यालय में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह की उपस्थिति में हुआ। इस दौरान बस्ती के बच्चों के साथ–साथ प्राइमरी विद्यालय के बच्चों को भी कॉपी–किताब, पेंसिल बॉक्स सहित खाने–पीने की चीजें उपहार में दी गई। इस मौके पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि शिक्षा हमारे मौलिक अधिकारों में एक है। सभी को पढ़ने एवं शिक्षा प्राप्त करने का पूरा हक है। इसी के तहत गांव के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा के अधिकार से वंचित नहीं हो। मिशन शक्ति की समन्वयक डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने विद्यारम्भ संस्कार के उद्देश्य को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि बाल दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से यह कार्यक्रम किया जा रहा है। स्वागत श्याम त्रिपाठी ने और किशन जायसवाल धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी उमाशंकर, कुलपति के निजी सचिव डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रिद्धी दूबे के साथ प्राइमरी विद्यालय के शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे।

विधि विधान से पूजे गए कलम दवात के देवता चित्रगुप्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । ब्रह्म की काया से उत्पन्न होने के कारण ही हम सबको कायस्थ कहा जाता है। भगवान चित्रगुप्त समस्त सृष्टि के लेखाकार है। उनके पास सभी के कर्मों का लेखा जोखा रहता है। उपरोक्त बाते यम द्वितीया के दिन भगवान चित्रगुप्त के पुजन अवसर पर राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच के जिलाध्यक्ष दया शंकर निगम ने कही। कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रसेन श्रीवास्तव ने कहां कि चित्रगुप्त हमारे भगवान है प्रत्येक कायस्थ कों चाहिए की उनकी प्रतिमा

अपने घर के पूजा घर में जरूर रखे। कायस्थ महासभा के संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव ने कहा कि चित्रगुप्त के बारह संतानों के नाम से हमारी बारह जातियां है लेकिन समय की मांग है कि हम बारहों से रोटी बेटी का रिश्ता रखे और समाज में एकता कायम रखे। राष्ट्रीय कायस्थ एकता मंच जौनपुर इकाई द्वारा मां शीतला चौकियां के आंगन में भगवान चित्रगुप्त का भव्य पूजन किया गया गया। पंडित हरिहर मिश्र के नेतृत्व में यजमान संजय अस्थाना ने पत्नी वंदना के साथ पूजन कार्य संपन्न कराया, हवन आरती के बाद उपस्थिति स्वजातीय बंधुओ से कलम दवात की पूजा कर भगवान का नाम लिखकर पुन कलम का संचालन प्रारंभ किया । तत्पश्चात सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर जय आनंद, सरोज श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, राजेश श्रीवास्तव बच्चा, श्याम रतन श्रीवास्तव, पंकज श्रीवास्तव हैप्पी, मयंक नारायण , शरद चंद श्रीवास्तव, राकेश श्रीवास्तव असलहा बाबू,मनोज श्रीवास्तव प्रमोद दादा, नीलमणि श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, दिव्यांशु संजय, अमित निगम, संतोष श्रीवास्तव, विनोद निगम, राजेश श्रीवास्तव आदि स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्म कुमार निगम ने किया।

यूपी में सरकारी मेडिकल कॉलेजों में खिलाड़ियों को मिलेगा इलाज

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अब खिलाड़ियों को भी इलाज मिलेगी। इसके लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में स्पोर्ट्स इंजरी विभाग खुलेगा। इसमें खेल–कूद के दौरान लगने वाली चोट का इलाज मिलेगा। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के मानकों के आधार पर विभाग या यूनिट का संचालन किया जाएगा। इसके लिए कॉलेज प्रशासन से जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि कुश्ती, क्रिकेट, हॉकी, वॉली बॉल, फुटबॉल समेत दूसरे खेलकूद की गतिविधियों में खिलाड़ियों को चोट लग जाती है। समुचित इलाज के लिए खिलाड़ियों को काफी भटकना पड़ता है।

नगर आयुक्त ने शहर में साफ सफाई का निरीक्षण किया

संवाददाता

लखनऊ। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के द्वारा शहर में साफ सफाई इत्यादि व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने एवं निगम द्वारा दी जा रही सेवाओं को गति प्रदान करने के उद्देश्य से समय समय पर निरीक्षण किया जाता है, तो त्यौहारों के दृष्टिगत भी उनके द्वारा निरीक्षण कर स्थितियों का जायजा लिया जा रहा है। जिस क्रम में आज जोन 05 क्षेत्र का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश जारी किए गए। जिसमे गुरुनानक नगर वार्ड व गीतापल्ली वार्ड (आंशिक) का निरीक्षण किया। जहां नटखेड़ा, जयप्रकाश नगर, विशेसन नगर, दामोदर नगर, पूरन नगर मस्जिद, गोपालपुरी वीआईपी रोड (गीतापल्ली वार्ड) के क्षेत्रों में नाले नालियों इत्यादि जलभराव प्वाइंट चिन्हित कर डीप ड्रेन क्लीनिंग के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए निर्देश नगर अभियंता जलकल को दिए गए। तदक्रम में पूरन नगर मस्जिद के पास तालाब की जमीन पर अवैध कब्जे के संबंध में उसकी जांच करवा कर कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रभारी अधिकारी संपत्ति को दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रेम नगर अंतर्गत सुअर वाली गली गुप्ता मार्किट के पास गली में जीवीपी प्वाइंट की कई बार सफाई कराए जाने के बाद भी प्वाइंट के स्थायी समाधान के लिए इंटरलॉकिंग कर वृक्षरोपण कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। साथ ही वार्ड में खाली पड़े प्लॉटों की साफ सफाई कराये जाने के निर्देश जोनल सेनेटरी अधिकारी को दिए गए। साथ ही वार्ड अंतर्गत जोहदाखेड़ा में स्थित मंदिर के पास मौजूद नलकूप को रिबोर कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता जल कल को दिए गए। शराफत नगर पुलिस चौकी के पास बने प्राइमरी पाठशाला के नवीनीकरण के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। गीतापल्ली वार्ड अंतर्गत हाई टेंशन रोड पर जलनिकासी की समस्या के त्वरित निस्तारण हेतु ड्राई नालों के ऊपर के पत्थर हटा कर वृहद रूप से साफ सफाई कराये जाने के निर्देश नगर अभियंता को दिए गए। इसके अतिरिक्त वार्ड के सुपरवाइजरों द्वारा स्थानीय लोगों की सुनवाई व सहयोह न किये जाने जैसी जन शिकायतों के आधार पर कार्यदाई संस्था साईं ट्रेडर्स के सुपरवाइजरों को संख्त चेतावनी दी और जन सहयोग किये जाने व अपनी कार्यवाही का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ किये जाने के संख्त निर्देश जारी किए। साथ ही क्षेत्र में वृहद रूप से अभियान चलाकर साफ सफाई, नालियों की सफाई, फॉगिंग एवं एंटीलार्वा का छिड़काव हो रहा था, जिसे और अधिक तेजी के साथ कराए जाने हेतु आदेशित किया गया। उक्त निरीक्षण में,.क्षेत्रीय पार्षद पीयूष दीवान, अपर नगर आयुक्त श्री अवनींद्र कुमार, जोनल अधिकारी संगीता कुमारी के साथ चीफ इंजीनियर सिविल व समस्त अधिकारीगण उपस्थित रहे। नगर आयुक्त जी ने क्षेत्र के लोगो से उनकी समस्याएं जानी।

अयोध्या दीपोत्सव के बाद अब जिला प्रशासन की निगाहें १४ कोसी पंच कोसी परिक्रमा व कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेले पर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या एडीएम सिटी सलिल पटेल एसपी सिटी मधुबन सिंह व सिटी मैजिस्ट्रेट अरविंद द्विवेदी ने संबंधित विभाग की अधिकारियों के साथ परिक्रमा पथ का निरीक्षण किया,

परिक्रमा पथ पर समस्याओं को दूर करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए और बताया एटीएस की निगरानी में 14 कोसी व पंचकोसी परिक्रमा संपूर्ण कराई जाएगी, उसके बाद कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेले पर भी एटीएस की पैनी नजर रहेगी, सुरक्षा के लिहाज से जोन व सेक्टर में मेला क्षेत्र को विभाजित किया गया है,

यातायात प्लान पर भी पुलिस की नजर बनी रहेगी, प्रत्येक जोन में अपर पुलिस अधीक्षक रैंक के अधिकारी मौजूद रहेंगे, सेक्टर में पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी और विभिन्न पॉइंट पर इंस्पेक्टर सब इंस्पेक्टर कांस्टेबल महिला कांस्टेबल व एलआईयू को तैनात किया।

'परिक्रमा मुहूर्त..'

14 कोसी परिक्रमा 21 नवंबर की भोर 2रू09 से 21 नवंबर की रात्रि 11:38 तक व पंचकोसी परिक्रमा 22 नवंबर को रात 9:25 से 23 नवंबर की शाम 7रू21 तक होगी, कार्तिक पूर्णिमा स्नान 26 नवंबर को दोपहर 3:11 से शुरू होकर 27 नवंबर की दोपहर 2:36 पर समाप्त होगा।

रोडवेज बस की चपेट में आने से वृद्ध की मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चंदवक थाना अंतर्गत औड़िहार मार्ग पर बगेरवां गांव के पास सुबह टहलने निकले वृद्ध को रोडवेज बस से धक्का लग गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।परिजन सीएचसी डोभी ले गए जहां हालत गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। चंदवक थाना क्षेत्र बगेरवां गांव निवासी प्रभुनाथ यादव (75) वर्ष सुबह टहलने के लिए सड़क पर निकले थे इसी दौरान औड़िहार की तरफ से आ रही वाराणसी ग्रामीण डिपो की रोडवेज बस से सुबह करीब साढ़े पांच बजे गांव के पास ही धक्का लग गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए।परिजन सीएचसी डोभी ले गए जहां हालत गंभीर देख डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। बस को चंदवक पुलिस ने कब्जे में ले लिया लेकिन चाल फरार हो गया।

चंदवक थानाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने बताया कि भोर की घटना है। सूचना पर मौके पर पहुंच कर बस को कब्जे में ले लिया गया है।

अब तबादले के लिए शिक्षकों को देनी होगी परीक्षा

योगी सरकार करेगी नई व्यवस्था

संवाददाता

लखनऊ। मनचाहे तबादले के लिए अब शिक्षकों को परीक्षा पास करनी पड़ेगी। सरकार शिक्षकों के स्थानांतरण प्रक्रिया में नया बिन्दु जोड़ने जा रही है। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों को मनचाहे स्कूलों में तैनाती के लिए अब कम्प्यूटर आधारित टेस्ट यानि बसीबीटी पास करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री अभ्यूदय एवं कम्पोजिट विद्यालयों के लिए श्रेष्ठ शिक्षकों का चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा।शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार यह नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। मेरिट के आधार पर शिक्षकों प्रोत्साहित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि मेरिट के आधार पर शिक्षकों को स्कूल आवंटित करने से शिक्षकों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वे अधिक से अधिक बेहतर परिणाम दे सकेंगे।

लखनऊ में उपमा के 10 वें वार्षिक अधिवेशन में जुटेंगे देश के वित्तीय विशेषज्ञ

संवाददाता

लखनऊ। माइक्रोफाइनेंस असोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) के द्वारा लखनऊ के एक स्थानीय होटल गोमती में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आगामी 20 नवंबर को लखनऊ के होटल ताज में आयोजित होने जा रहे उपमा के 10 वें वार्षिक समारोह के बारे में जानकारी दी गयी। इस अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कुंवर बृजेश सिंह राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश शासन ने तथा मुख्य वक्ता के रूप में एच आर खान पूर्व गवर्नर भारतीय रिजर्व बैंक अपनी सहमति प्रदान की है। उपमा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर सिन्हा ने बताया कि आगामी 20 नवंबर को लखनऊ शहर में आयोजित होने जा रहे इस वार्षिक अधिवेशन में परिचर्चा का मुख्य और अति महत्वपूर्ण विषय चुना गया है और वह है "उत्तर प्रदेश में एक ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य को सफल बनाने में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों का क्या योगदान" होगा। इस कॉन्फ्रेंस में अनेक वित्तीय विशेषज्ञ, माइक्रो फाइनांस कंपनी के सीईओ के साथ साथ नाबार्ड, आरबीआई तथा सिडबी के वरिष्ठ अधिकारीगण भाग लेंगे। माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश (उपमा) प्रति वर्ष अपना वार्षिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं संस्था इस वर्ष अपने स्थापना के दस वर्ष भी पूरे कर रही है। माइक्रो फाइनेंस एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की स्थापना 15 दिसंबर २०१३ को हुई थी माइक्रो फाइनेंस संस्थाएं भारतीय रिजर्व बैंक से रजिस्टर्ड होती हैं तथा समाज के सबसे कमजोर वर्ग को उनके गृह स्थल पर रोजगारपरक ऋण उपलब्ध कराती हैं एसोसिएशन के साथ समान क्षेत्र कार्य करने वाली लगभग तीस संस्थाएं जुडी हुई हैं एसोसिएशन अपने सदस्य संस्थाओं को स्वस्थ एवं पारदर्शी विधि से ग्राहकों को ऋण देने हेतु प्रोत्साहित करती है साथ ही एसोसिएशन इस बात पर नजर रखती है कि सभी संस्थाएं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रतिपादित नियमों का अक्षरशः पालन करती है एसोसिएशन सदस्य संस्थाओं के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है साथ ही ग्राहकों के लिए भी डिजिटल लिटरेसी तथा वित्तीय साक्षरता जैसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। आज के कार्यक्रम में एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुधीर सिन्हा सहित उत्कर्ष बैंक से बोर्ड सदस्य श्री त्रिलोक शुक्ला, सारथी क्रेडिट केयर से भारत सिंह तथा सोनाटा फाइनेंस से अनूप सिंह उपस्थित रहे।

वाहनों से कुचला हुआ मिला तेंदुआ

उठ रहा सवाल,शहर में कैसे आया तेंदुआ

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में शहीद पथ पर किसी वाहन से टकरा कर बुधवार सुबह एक तेंदुआ की मौत हो गई।राहगीरों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम तेंदुआ का शव पोस्टमार्टम के लिए ले गये। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में शहीद पथ पर बुधवार सुबह करीब 6 बजे एक तेंदुआ लहूलुहान हालात में सड़क पर पड़ा होने की सूचना वन विभाग मिली। वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जांच की तो पता चला कि तेंदुए की मौत हो चुकी थी।वन विभाग की टीम ने तेंदुए का शव पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजा है। क्षेत्रीय वन विभाग के कर्मचारियों के अनुसार पीजीआई थाना अंतर्गत शहीद पथ पर सुबह करीब 6 बजे एक तेंदुआ के पड़े होने की सूचना डायल 112 के माध्यम से मिली थी। मौके पर देखा गया तो तेंदुआ को किसी वाहन ने कुचल दिया था। उसके शरीर पर गहरे जख्म थे. निशान देखकर ऐसा लग रहा था किसी भारी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। वन विभाग की टीम तेंदुए के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले गई है।वन विभाग के फॉरेस्टर शौकत उल्लाह खान ने बताया कि सूचना पर टीम को मौके पर भेजा गया था। तेंदुए के शरीर पर चोट के काफी निशान हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी। पीजीआई थाना क्षेत्र में बीते दिनों तेंदुए दिखने की जानकारी ग्रामीणों ने वन विभाग को दी थी।

साइबर ठगों ने दोस्त बनकर किया फोन,फर्जी एसएमएस भेजकर 80 हजार रुपये की ठगी, केस दर्ज

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के आलमबाग थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से उसका दोस्त बनकर फोन किया। उसे फर्जी एसएमएस भेज कर हजारों रूपये ऑनलाइन अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिया। रूपये भेजने के बाद और पैसों की मांग होने पर उसे शक हुआ, तो अपने दोस्त के बेटे से फोन कर पूछने पर पता चला कि उसके साथ ठगी की गई हैं।

पीड़ित ने आलमबाग थाने पर मोबाइल नंबर के आधार पर 420, 406 की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया हैं। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी हैं। शम्भू नाथ शर्मा आलमबाग में प्रेमवती नगर, गढ़ी कनौरा में परिवार संग रहते हैं। उन्होंने पुलिस से लिखित शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उनका खाता इंडियन बैंक मवैया शाखा में है। उनके मोबाइल पर एक कॉल आया, फोन करने वाले ने दोस्त बनकर उससे बात किया।

उनका कहना है कि ठग हुबहु एक मित्र कि ही आवाज में बात कर रहा था। वो बोला कि मुझे किसी से अपने बैंक खाते में पैसे मंगवाने है पर किसी वजह से नहीं आ पा रहा है, तो क्या मैं तुम्हारे खाते में भेजवा दू। मैने अपना मित्र समझ के उसे हा बोल दिया, तो उसने कुछ बैंक के बनाये हुए एसएमएस भेज दिया। उसने पैसे भेज दिया है, मुझे जानकारी नही थी, तो उस एसएमएस को सही समझने कि गलती कर बैठा, इसके बाद ठग ने एक नंबर भेजा। जिस पर उसने दो दिन में 80 हजार रूपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिया। उसके बाद भी फोन आते रहे पैसे के लिए, तब आभास हुआ कि कुछ गलत है।

शंभू ने अपने दोस्त के बेटे को फोन किया। पूछा तुम्हारे पिता मुझसे इतना पैसा मांग रहे हैं। वो तुमसे क्यों नही बोल रहे हैं। तब उसने अपने पिता से पूछा और बताया की उसके पिता ने कोई पैसा नही मांगा है। जिसके बाद जानकारी हुई कि उनके साथ ठगी की गई है। उन्होंने साइबर सेल में शिकायत दर्ज करवाने के बाद आलमबाग कोतवाली में तहरीर दी हैं।

अमेठी पुलिस ने 5 हत्यारोपियों को किया गिरफ्तार

संवाददाता

अमेठी। अमेठी में दिवाली के दिन पुरानी रंजिश में युवक की पीट–पीटकर हत्या के मामले में फरार चल चल रहे सभी पांचों आरोपियों को पुलिस के गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर की सूचना पर बाजार शुकुल पुलिस ने आरोपियों को पास से हत्या में प्रयुक्त डंडे को भी बरामद कर लिया है। दरअसल ये पूरा मामला बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के पूरे नेवाजी बूबूपुर गांव का रहने वाला है, जहां का रहने वाला राजमिस्त्री जगदीश देर शाम अपने घर जा रहा था, जहां पुरानी रंजिश में विपक्षियों ने लाठी डंडो और लात घूसों से उसकी पिटाई कर दी। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

क्लिक एन बुक ऑनलाइन सेवा : घर बैठे स्पीड पोस्ट, रजिस्ट्री व पार्सल बुकिंग की सुविधा

डाक विभाग सेवाओं को बना रहा हाई-टेक और कस्टमर फ्रेंडली : पीएमजी

संवाददाता

लखनऊ। डाक विभाग ने ग्राहकों की सहूलियत खातिर क्लिक एन बुक ऑनलाइन सेवा की शुरुआत की है। इस सेवा का उपयोग कर ग्राहक घर बैठे पंजीकृत पत्रों, स्पीड पोस्ट पत्रों तथा पार्सल की बुकिंग कर सकते हैं। प्रयागराज जिले में वर्तमान में सुविधा प्रयागराज प्रधान डाकघर तथा कचहरी प्रधान डाकघर में उपलब्ध है। शीघ्र ही अन्य डाकघरों में भी शुरू होगी।पीएमजी प्रयागराज केके यादव ने प्रयागराज प्रधान डाकघर के विजिट के दौरान व्यक्त किए। पोस्टमास्टर जनरल ने कहा कि नवाचार और नवीनतम टेक्नोलॉजी को अपनाकर डाक विभाग अपनी सेवाओं को निरंतर हाई–टेक और कस्टमर फ्रेंडली बना रहा है। प्रधान डाकघर में सुपर आधार केंद्र, पासपोर्ट, डाकघर निर्यात केंद्र, कॉमन सर्विस सेंटर जैसी तमाम नई सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब 5 किग्रा वजन तक के पंजीकृत पत्रों, स्पीड पोस्ट पत्रों तथा पार्सल की बुकिंग हेतु ग्राहकों को डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं। इस सेवा का लाभ लेने के लिए ग्राहकों को स्वयं को डाक विभाग के साथ पंजीकृत करना होगा। क्लिक एन बुक ऑनलाइन सेवा की सुविधा के लिए डाक विभाग की वेबसाइट www-indiapost-gov-in पर ग्राहकों को स्वयं को पोर्टल पर पंजीकृत करना होगा। पंजीकृत करने के पश्चात ग्राहकों को यूजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त होगा। यूजर आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन करके घर बैठे पंजीकृत पत्रों, स्पीड पोस्ट पत्रों और पार्सल बुकिंग की जा सकती है। इस सेवा के तहत एक बार में अधिकतम 5 पत्रों को बुक किया जा सकता है जिनका अधिकतम वजन 5 किग्रा तक हो सकता है। 500 रूपये तक की बुकिंग चार्ज पर फ्री पिकअप सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी तथा 500 रूपये से कम की बुकिंग पर पिक अप सुविधा के लिए 50 रूपये का शुल्क देय होगा। प्रातः 09.30 से पहले बुकिंग करने पर 10 बजे से 13 बजे तक पिक अप किया जाएगा एवं प्रातः 09रू30 के बाद बुकिंग पर 13 बजे से 16बजे तक पिकअप किया जाएगा। 12.30 बजे के बाद बुकिंग पर पिक अप सुविधा अगले दिवस में उपलब्ध कराई जायेगी।

शहीद पथ के किनारे तेंदुए की मौत, वन विभाग की टीम जांच में जुटी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शहीद पथ किनारे तेंदुए का शव मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि रात में वह रास्ता भटक कर शहर की तरफ आ गया था। उसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उसको टक्कर मार दी और उसकी मौत हो गई। बुधवार सुबह वहां से गुजरने वालों की नजर तेंदुए पर पड़ी। हालांकि लोगों को लगा कि वह सड़क कि किनारे सो रहा है। ऐसे में डर की वजह से लोगों को वहां से जाने में डरने लगे। हालांकि कुछ देर बात लोगों ने हिम्मत कर देखा तो पाया कि वहां पर तेंदुआ मरा पड़ा है। उसके शरीर पर गहरे जख्म के निशान थे। ऐसा लग रहा था किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। मौजूद लोगों ने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वन विभाग को सूचित किया। इलाके में हालांकि डर का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अंबेडकर यूनिवर्सिटी के पास से गुजर रहे शहीद पथ के पास की यह घटना है। पुलिस से मिली सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने तेंदुए को देखा और उसके शव को अपने साथ ले गए। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि अभी तो गाड़ी की टक्कर ही मौत की वजह लग रही है। हालांकि इसकी जांच होने के बाद ही कोई सही जानकारी मिल पाएगी। राजधानी में पहले भी शहरी क्षेत्र में तेंदुआ आ चुका है। यहां पुराने लखनऊ से लेकर कुकरैल के आस– पास के इलाकों में अक्सर तेंदुआ नजर आता है। साल 2022 में जानकीपुरम और खुर्रमनगर इलाके में एक तेंदुए ने कई लोगों को घायल भी कर दिया था। हालांकि उतरठिया और आस– पास के इलाकों में तेंदुआ कम निकलता है। ऐसे में अब वन विभाग की टीम के लिए भी यह जांच का विषय है कि यह आया कहां से होगा।

जनजातीय गौरव दिवस को प्रदान किया जायेगा अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप

जल, जंगल, जमीन बचाने में आदिवासियों का महत्वपूर्ण योगदान : जयवीर

संवाददाता

लखनऊ। जनजाति लोकनायक बिरसा मुण्डा के 148वें जयन्ती पर संगीत नाटक अकादमी में 07 दिवसीय जनजातीय भागीदारी उत्सव का शुभारम्भ करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस को अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप देने का प्रयास किया जायेगा जिससे भारत की आदिवासी संस्कृति का वैश्विक स्तर पर आदान–प्रदान हो और एक दूसरे की सांस्कृतिक परम्पराओं, विरासत, मान्यताओं को साझा किया जा सके। भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से प्रेरणा लेते हुए जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयासों को भावी पीढ़ी तक पहुचाने की जरूरत है।पर्यटन मंत्री ने कहा कि जनजातीय संस्कृति को लखनऊ व आसपास के जनपदों तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने इस गौरव दिवस का आयोजन कराया है। भारत सरकार ने बिरसा मुण्डा को सम्मान दिया है। आदिवासी समाज हमेशा से जल, जंगल और जमीन को बचाते हुए देश की एकता,अखण्डता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। यूपी में लगभग 15 जनजातियॉ निवास करती हैं जिनमें थारू जनजाति की संख्या सर्वाधिक है। लोकनायक बिरसा मुण्डा ने अग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। आदिवासियों में राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। आज का दिन उन्हें स्मरण करने का दिन है। थारू सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवंजनसमुदाय को परिचित कराने के लिए बलरामपुर के इमिलिया कोडर में जनजाति संग्रहालय को निर्माण कराया गया है। एक सप्ताह तक चलने वाले कार्यक्रम में 17 राज्यों की जनजातियॉ भाग ले रही है। इसके दौरान उनके विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया गया हैआदिवासियों के खान–पान, भेष भूषा, परिधान, खेलकूद, गीत नृत्य संगीत का भी प्रदर्शन होगा। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में समाज कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरूण ने कहा कि यूपी में 14 से 15 लाख आदिवासी परिवार निवास करते है। एक सप्ताह तक विभिन्न राज्यों से आये हुए जनजाति समुदाय रंग–बिरंगे वस्त्रों तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगवान बिरसा मुण्डा को सम्मान दिया है। इसके साथ ही आदिवासी समाज का गौरव बढ़ाया है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण द्रोपदी मुर्मू हैं। जो आज देश की सर्वोच्च कुर्सी पर बैठी हुई हैं।श्री अरूण ने कहा कि इस आयोजन के दौरान आदिवासी समाज से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा होगी। उनके स्वास्थ्य, उद्यमिता एवं उद्योग धंधों तथा भविष्य में इन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए संस्कृति पर्यटन सहित अन्य विभागों की सराहना की। दोनों मंत्रियों ने कार्यक्रम का शुभारम्भ नगाड़ा बजाकर किया तथा बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में छह सदस्यों के पद खाली, भर्तियों पर असर

संवाददाता

लखनऊ। यूपीएसएसएससी में आधा दर्जन मेम्बर के पद खाली पड़े हैं, जिसका सीधा असर भर्तियों और साक्षात्कार पर पड़ रहा है। अभ्यर्थियों और नौकरी के इंतजार में युवाओं में निराशा है। एक ओर सरकार का युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर है ,दूसरी ओर उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग यानि यूपीएसएसएससी जैसे महत्वपूर्ण आयोग में छह सदस्यों के पद 10 माह से खाली हैं।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।